International Research Journal of Human Resource and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor 5.414 Volume 5, Issue 7, July 2018
Website- www.aarf.asia, **Email** : editor@aarf.asia , editoraarf@gmail.com

अजमेर–पुष्कर क्षेत्र में स्वतंत्रता पश्चात् पर्यटन विश्लेषण

लेखकः रजनी वरूण [1], डॉ कीर्ति चौधरी [2]
[1] रजनी वरूण, असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.डी. गर्वमेंट कॉलेज, ब्यावर (राजस्थान)
[2] डॉ कीर्ति चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, एस.पी.सी., गर्वमेंट कॉलेज, अजमेर।

प्रस्तावना

प्राचीन समय से ही भारत में पर्यटन या तीर्थाटन प्रमुख रहा है। राजस्थान में अजमेर पर्यटन के दृष्टिकोण से अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है। अजमेर ऐतिहासिक, धार्मिक, प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से भरपूर होने के कारण देशी व विदेशी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। अरावली पर्वत श्रृंखला से घिरा सुरम्य घाटी आच्छादित राज्य की राजधानी जयपुर से 132 कि.मी. पश्चिम में स्थित अजमेर एक ऐतिहासिक शहर है। अजमेर शहर का पुरना नाम अजयमेरू है। अजय का अर्थ है– जिसे जीता न जा सके और मेरू का अर्थ है–पर्वत। अजमेर का प्राचीन दुर्ग तारागढ़ है। जो बीठली दुर्ग के नाम से भी विख्यात है। यह दुर्ग एक ऊँचे पर्वत पर स्थित है। जिसे जीता जाना वास्तव में बहुत दुष्कर कार्य था। इसी पर्वत के कारण इस शहर का नाम अजयमेरू पड़ा। कुछ इतिहासकारों के अनुसार इस शहर की स्थापना 12वीं सदी में राजा अजयपाल चौहान ने की थी इस कारण इस शहर का नाम अजमेर हुआ। राजस्थान के लगभग बीचोंबीच बसा यह शहर अपनी प्राकृतिक रमणीयता और कलात्मकता के लिए पर्यटको के आकर्षण का केन्द्र है।

राजस्थान के ह्मदय स्थल के नाम से विख्यात अजमेर ऐतिहासिक, धार्मिक, शैक्षणिक, प्रशासकीय एवं पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण केन्द्र है। अजमेर हिन्दू व मुस्लिम सम्प्रदायों की तीर्थस्थली है। अजमेर शहर जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का पांचवां बड़ा शहर है। यह धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से विश्व प्रसिद्ध ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, जैन धर्म की कलात्मक स्वर्ण नसियाँ, विशाल साँई बाबा का नवनिर्मित मंदिर, क्रिश्चियन धर्म का प्राचीन चर्च और आर्य समाज के कई शैक्षणिक संस्थानों के लिए विख्यात है। अजमेर को महत्ता प्रदान करने में राजस्थान लोक सेवा आयोग, उत्तर–पश्चिम रेल्वे मण्ड़ल कार्यालय, रेल्वे भर्ती बोर्ड, केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, महा निरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग तथा राजस्व मण्डल भी भूमिका निभाते है। अजमेर शहर मुख्य रेल्वे जंक्शन है। यहाँ से दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद और रतलाम इत्यादि प्रमुख शहर रेल सेवा से सीधे जुड़े हुए है।

अजमेर शहर एवं अरावली की सुरम्य पहाड़ियों के मध्य तीर्थराज पुष्कर आदि तीर्थ होने के साथ ही हमारी लोक संस्कृति, आध्यात्मिकता, धार्मिक सहिष्णुता, भावात्मक एकता एवं सर्वधर्म समन्वय का केन्द्र हमेशा से रहा है। अजमेर से तीर्थराज पुष्कर पहुँचने के लिए सर्पाकार रूप में सड़क बनी हुई है। बस द्वारा अजमेर यात्रा करने पर लगभग आधे घंटे में यह यात्रा तय हो जाती है। यात्रा का मार्ग पहाड़ी दृश्यों की रमणीयता से भरा पड़ा है एवं

सड़क के दोनों ओर पहाड़ियों की श्रेणियाँ और मनोहर छायाकार वृक्षावली सुशोभित है। पहाड़ों की लाल व भूरी मिट्टी तीर्थयात्रियों की राजस्थानी वेशभूषा में मिल कर वहाँ की रमणीयता में चार चाँद लगा देती है। पुष्कर क्षेत्र की रेतीली मिट्टी सूर्य भगवान के प्रभाव से हीरे के समान चमक उठती है।

अजमेर व पुष्कर में लगभग 14 किलोमीटर की यात्रा का मध्ययान है। पुष्कर झील हिन्दूओं के लिए एक पवित्र स्थल है जहाँ वे विशेष रूप से कार्तिक के महीने में डुबकी लगाते हैं और आध्यात्मिक शान्ति प्राप्त करते है। इस प्रकार अजमेर एक आदर्श स्थान है जिसे भारतीय संस्कृति, नैतिकता, समुदायों और विविध धर्मों आदि के व्यापक मिश्रण के प्रदर्शन का प्रतीक माना जा सकता है।

परिचय

अजमेर शहर अरावली पर्वत श्रंखला की पूर्वी तलहटी पर समुद्रतल से 450 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। अजमेर शहर $25^0 27'$ उत्तरी अंक्षाश एवं $74^0 37'$ पूर्वी देशान्तर पर स्थित है। अजमेर शहर संसार को प्राचीनतम मोडदार अरावली पर्वत श्रेणी की तलहटी पर बसा हुआ है। शहर के तीन ओर पहाड़ है जो कि शहर की सुन्दरता को बढ़ाते है।

अजमेर शहर अरावली पर्वत श्रंखला की पूर्वी तलहटी पर समुद्रतल से 450 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। अजमेर शहर $25^\circ 27'$ उत्तरी अक्षांश एवं $74^\circ 37'$ पूर्वी देशान्तर पर स्थित है। अजमेर शहर संसार की प्राचीनतम मोड़दार अरावली पर्वत श्रेणी की तलहटी पर बसा हुआ है। शहर के तीन ओर पहाड़ है, जो कि शहर की सुन्दरता को बढ़ाते है। स्थलाकृतिक दृष्टि से अरावली पहाड़ियाँ पुष्कर को दो दिशाओं से घेरे हुए है। पुष्कर में उच्चावच के तीन स्वरूप देखने को मिलते है जिसमें से एक निचली अरावली पहाड़ियाँ है जिनकी ऊँचाई अपरदन की क्रिया के कारण निरन्तर कम होती जा रही है। दूसरा उच्चावच का स्वरूप पुष्कर घाटी है जो कि लगभग 35,000 एकड़ क्षेत्र में विस्तृत है। तीसरा उच्चावच का स्वरूप मरूस्थलीय क्षेत्र है इस मरूस्थल का प्रसार पुष्कर से नागौर की ओर निरन्तर बढ़ रहा है।

अजमेर शहर दिल्ली–अहमदाबाद बड़ी रेल लाईन का महत्त्वपूर्ण जंक्शन है तथा यह शहर दिल्ली–अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर स्थित है। अजमेर के दक्षिण में भीलवाड़ा एवं ब्यावर शहर हैं जहाँ पर क्रमशः कपड़ा बुनाई, रंगाई आदि करने के कई बड़े उद्योग है तथा सीमेन्ट उद्योग भी प्रमुख व्यवसाय है। अजमेर के उत्तर में किशनगढ़ शहर है, जो कि एशिया में मार्बल उद्योग के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरा है। अजमेर इन सभी शहरों के बीच स्थित है। इन शहरों के कारण अजमेर शहर में भी व्यावसायिक गतिविधियाँ बढ़ रही हैं।

पुष्कर– पुष्कर राजस्थान प्रदेश के हृदय स्थल अजमेर से 12 कि0मी0 दूर उत्तरी–पश्चिम की ओर 26^0 $27'$ उत्तरी अक्षांश एवं 74^0 $37'$ पूर्वी देशान्तर पर, माध्य समुद्रतल से 530 मीटर की ऊँचाई तथा थार मरूस्थल व अरावली पर्वत श्रृंखला के संगम पर स्थित है। यह अरावली पर्वत श्रृंखलाओं की दो समानान्तर पहाड़ियों के मध्य प्राकृतिक घाटी में आच्छादित है। यह तीन दिशाओं में पर्वतों से घिरा हुआ है। उत्तर–पश्चिम दिशा में पहाड़ियों की चोटियों पर पापमोचनी माता व देवी सरस्वती के प्राचीन मन्दिर निर्मित हैं। पुष्कर के पूर्व व दक्षिण पूर्व में नाग पहाड़, गुरूम्बा पहाड़, एवं पार्वती पहाड़ शोभायमान हैं। पुष्कर के पश्चिम में थार के बालू रेत के शोभायमान धोरे अपनी अलग छठा बिखेरे हुए हैं।

अजमेर आने वाले पर्यटक

अजमेर शहर राजस्थान के खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक हैं और यह पर्यटन स्थल अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ हैं। अजमेर शहर पर्यटकों को अपनी ओर बहुत अधिक आकर्षित करता हैं। अजमेर एक धार्मिक पर्यटक स्थल होने के साथ–साथ सदियों से चली आ रही लोकाचार और शिल्प कौशल कला में पारंगत हैं। अजमेर भारत के राजस्थान राज्य के केंद्र में स्थित और अजमेर शरीफ की मजार के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं।

तालिका संख्या 1: अजमेर आने वाले विदेशी केन्द्र अन्तर्गत पर्यटक, 2017–18

देश	पर्यटक संख्या	देश	पर्यटक संख्या
यू.के	1090	स्विटजरलैण्ड	172
फ्रांस	1008	जापान	106
इटली	253	श्री लंका	–
कनाडा	377	पाकिस्तान	625
यू.एस.ए	786	बांग्लादेश	29363
जर्मनी	664	सिंगापुर	113
आस्ट्रेलिया	402	ईरान	53
यू.ए.ई.	103	मलेशिया	318
सऊदी अरब	24		
योग	30599		

स्त्रोतः अजमेर पर्यटन विभाग, अजमेर

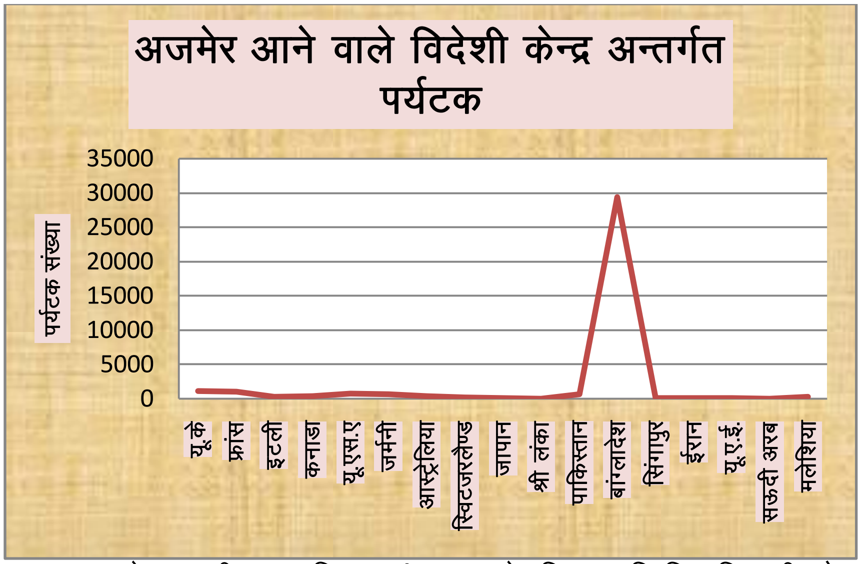

अजमेर शहर को अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्धि मिलती है इसके अलावा हिंदु धर्म और मुस्लिम धर्म के अनुयाइयों के लिए एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। अजमेर में मनाए जाने वाले "उर्स त्यौहार" के दौरान संत मोइनुद्दीन चिश्ती की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य के अवसर पर दुनिया भर से पर्यटक आते हैं।

पुष्कर आने वाले पर्यटक

पुष्कर आने वाले देशी–विदेशी पर्यटकों की संख्या में प्रतिवर्ष वृद्धि अंकित की जाती हैं, जिसका मुख्य कारण बावन घाटों से सजी पवित्र पुष्कर झील और ब्रह्मा जी के प्रसिद्ध मंदिर, वराह मंदिर, सावित्री मंदिर, रँग जी मंदिर, पाप मोचिनी मंदिर, श्री पंचकुण्ड शिव मंदिर, अटभटेश्वर महादेव मंदिर, मान महल एवं अन्य मनोरम प्राकृतिक स्थल का मौजूद होना है।

तालिका संख्या 2: पुष्कर आने वाले विदेशी केन्द्र अन्तर्गत पर्यटक, 2017–18

देश	पर्यटक संख्या	देश	पर्यटक संख्या
यू.के	9945	जापान	733
फ्रांस	14848	श्री लंका	–
इटली	4427	पाकिस्तान	13
कनाडा	3332	बांग्लादेश	332
यू.एस.ए	5478	सिंगापुर	142
जर्मनी	7866	ईरान	38
आस्ट्रेलिया	6022	यू.ए.ई.	13
स्विटजरलैण्ड	1433	सऊदी अरब	15
मलेशिया	266		

उपर्युक्त तालिका में विस्तृत आंकडों अन्तर्गत स्पष्ट है कि विश्व के प्रत्येक देश के पर्यटकों के लिए पुष्कर आदर्श स्थान है। पुष्कर स्थान की अनुपम विशेषता का एक आधार इस बात से लगाया जा सकता है कि राजस्थान राज्य में किसी भी पर्यटन केन्द्र पर आने वाले कुल पर्यटकों में से लगभग सात प्रतिशत से अधिक पुष्कर में अवश्य आते है, जिसका संक्षिप्त अवलोकन अग्रलिखित तालिका के आंकड़ों के आधार पर लगाया जा सकता है।

तालिका संख्या 3: पर्यटकों का आवागमन, पुष्कर 2000–2018

क्र.सं.	वर्ष	राजस्थान में आने वाले	पुष्कर में पहुंचने वाले	प्रतिशत
1	2000–01	623100	52011	8.4
2	2004–05	1131164	61307	8.8
3	2008–09	1501132	100180	10.6
4	2012–13	1602221	133480	11.7
5	2016– 2018	1800089	200790	13.3

स्त्रोत: नगर निगम, अजमेर

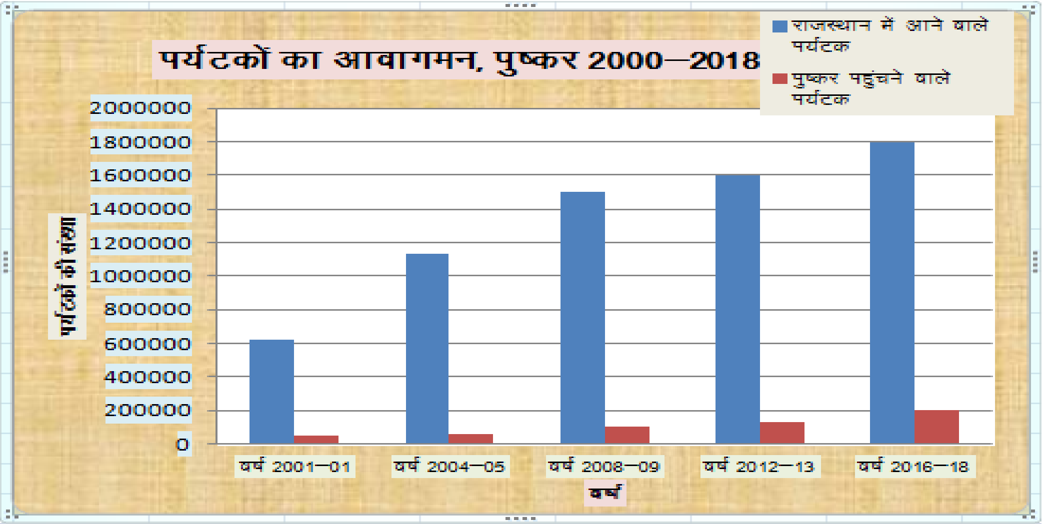

अजमेर व पुष्कर में पर्यटन को बढावा देने के उद्देश्य से पुष्कर मेले के अतिरिक्त पुष्कर में वृहद् सांस्कृतिक कार्यक्रम द सेकर्ड पुष्कर महोत्सव का आयोजन इवेन्ट मेनेजमेन्ट फर्म की सेवायें लेते हुए किया जा रहा है। द सेकर्ड पुष्कर, 2015 व 2016 का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया।

तालिका संख्या 4: अजमेर पुष्कर में वर्ष 2017–18 में आने वाले स्वदेशी व विदेशी पर्यटकों का माहवार विश्लेषण

माह	वर्ष 2017			वर्ष 2018			गत अवधि की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन		
	देशी	विदेशी	योग	देशी	विदेशी	योग	देशी	विदेशी	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
जनवरी	2572165	149399	2721564	2260077	159613	2419690	13.81	–5.06	12.56
फरवरी	2538731	188762	2727493	2307577	185049	2492626	10.02	3.64	9.554
मार्च	3564473	189309	3753782	2879896	178910	3058806	23.77	5.81	22.72
अप्रेल	5087658	102473	5190131	4202497	119347	4321844	21.06	–14.14	20.09
मई	2584850	53046	2637896	2095278	54723	2150001	23.37	–3.06	22.69
जून	2175542	37489	2213031	1799285	43241	1842526	20.91	–13.30	20.11
जुलाई	2681950	78280	2760230	1889131	68633	1957764	41.97	14.06	40.99
अगस्त	3281802	98150	3379952	2378529	93863	2473292	37.98	4.57	36.71
सितम्बर	8402851	92788	8495639	7985966	76607	8062573	5.22	21.12	5.37
अक्टूबर	2676946	156417	2833363	1985112	144943	2130055	34.85	7.92	33.02
नवम्बर	2911900	205534	3117434	2956685	185479	3142164	–1.51	10.81	–0.79
दिसम्बर	3016247	156923	3173170	2447540	164903	2612443	23.24	–4.84	21.46
योग	**41495115**	**1513729**	**43008844**	**35187573**	**1475311**	**36662884**	**17.93**	**2.60**	**17.31**

अजमेर जिला मुख्यालय पर राजकीय संग्रहालय का जीर्णोद्वार एवं विकास कराकर संग्रहालय को भव्यता एवं नया स्परूप प्रदान किया गया है। उक्त नये स्वरूप में स्थापित संग्रहालय को पर्यटन कला एवं संस्कृति राज्य मंत्री द्वारा शिक्षा राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री एवं अध्यक्ष राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण की उपस्थिति में आमजन को समर्पित किया गया है।

स्वच्छता की दृष्टि से कायड़ विश्राम स्थली की वर्तमान सीवरेज डिस्पोजल लाईन का कार्य अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर द्वारा कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य पर लगभग राशि रू. 50 लाख रूपये का व्यय हुआ है। पर्यटन विभाग द्वारा ऐग्रेसिव मार्केटिंग अभियान के तहत् अजमेर स्तर पर नवीन विपणन सामग्री का प्रदर्शन भी किया गया है। इसी प्रकार अजमेर–पुष्कर पर्यटन मोबाईल एप विकसित कर आगन्तुक पर्यटकों को समुचित जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास भी किया जा रहा है।

शोध–उद्देश्य

प्रस्तुत शोधकार्य का अजमेर के क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। शोध प्रबन्ध में अजमेर क्षेत्र के पर्यटन के आधुनिकरण को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है जिसके माध्यम से पर्यटन योजना निर्माताओं व गाईडों एवं अन्य सम्बन्धित व्यक्ति जो कि जिले एवं तहसील स्तरीय पर्यटन विकास योजनाओं में संलग्न है लाभान्वित होकर पर्यटन विकास के लिये योजनाओं का निर्धारण कर सकेगें। इस क्रम में उपरोक्त तथ्यों को मध्य नजर रखते हुए शोध प्रबन्ध के निम्न उद्देश्य रखे गये है –

- अजमेर आने वाले घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या ज्ञात करना।
- भ्रमण के लिए अजमेर को चुनने सम्बन्धी पर्यटकों के निर्णय को प्रभावित करने वाले तत्वों की विवेचना करना।
- सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त आकड़ों के आधार पर अजमेर के स्वदेशी एवं विदेशी पर्यटकों के विचारों का विश्लेषण करना।
- पर्यटन से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का मूल्यांकन करना।
- अजमेर में पर्यटन से संबंधित समस्याओं से अवगत कराना।
- सांस्कृतिक परम्पराएं बचाने के लिए तथा आधुनिक औद्योगिक जीवन से परम्परागत मूल्यों पर प्रभाव को रोकने के लिए विभिन्न उपाय खोजना।
- वर्तमान पर्यटन उद्योग सुविधाओं की माँग व पूर्ति का अन्वेषण कर प्रभावपूर्ण व्यूह रचना बनाना ताकि भावी पर्यटन विकास की जरूरतों को पूरा किया जा सके।
- अजमेर के आर्थिक व सामाजिक जीवन पर पर्यटन के प्रभाव को ज्ञात करना।

साहित्यिक समीक्षा

प्रस्तुत शोध प्रपत्र का आधार पर्यटन है। प्रस्तुत शोध–कार्य के लिए विभिन्न लेखकों के विचारों को पुनर्वालोकन निम्न प्रकार किया गया है –

रविन्द्र कुमार दुलार (2018) ने पर्यटन को जीवन संघर्ष में आरामगाह अवधि के रूप में परिभाषित किया है। इन्होने अपने लेख में पर्यटन को प्रकृति के संरक्षण के साथ–साथ स्थानीय लोक कला तथा संस्कृति को जिन्दा रखने और बढ़ावा देने का माध्यम बनताया है, जैसे– राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत सम्पूर्ण राष्ट्र में अपना विशेष महत्व रखती है अतएव इसके संरक्षण हेतु पर्यटन में स्थानीय लोगों की भागीदारी भी समुचित रूप में होनी

चाहिए। दूसरे शब्दों में पर्यटन के निरंतर दोहन के तहत जब हम आर्थिक रूप में लाभ कमा रहे हैं तो क्या जरूरी नहीं है कि प्रकृति व संस्कृति के संरक्षण की दिशा में भी हम पहल करें।

श्री भंवर लाल गर्ग (2017) ने पर्यटन के महत्व को निम्न शब्दों में प्रकट किया है– "विश्व के सर्वाधिक वृहद् उद्योग के रूप में यदि किसी उद्योग का विकास हो रहा है, जो वह है पर्यटन। इस उद्योग में विकास की असीम संभावनाएं स्पष्टतया देखी जा सकती है। विश्व के सकल उत्पाद का 6 प्रतिशत पर्यटन के द्वारा ही प्राप्त किया जाता है और लगभग 10 करोड़ लोगों को इससे रोजगार का लाभ मिल रहा है। वर्तमान में तो पर्यटन से सम्बद्ध कार्यरत् लोगों की संख्या में दुगनी से भी ज्यादा वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में विकास होने का मुख्य कारण इससे प्राप्त होने वाली आय है। यही कारण है कि विकसित राष्ट्र के साथ ही विकासशील और अविकसित राष्ट्र भी इस दिशा में विकास के लिए अथक प्रयत्न कर रहे हैं। **डॉ0 प्रजापत सहाय (2017)** जो कि प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, जोधपुर के अवकाश प्राप्त रीडर हैं उन्होंने पर्यटन एवं 'पर्यटन उद्योग के विषय में अपनी पुस्तक 'पर्यटन सिद्धान्त एवं प्रबंध' तथा 'देशी–विदेशी पर्यटन' में विस्तृत वर्णन किया है जिसमें से कुछ अंश निम्नलिखित हैं– "पर्यटन आज विश्व का एक विकसित उद्योग है। इससे वर्तमान में समाज को अनेक प्रकार के सामाजिक और आर्थिक लाभ प्राप्त होते हैं। अतः इसके विकास के लिए प्रत्येक देश की सरकारें प्रयत्नशील हैं तथा नवीनतम उपलब्धियों के लिए नये आयामों की खोज की जा रही हैं। यद्यपि यह कहा जाता है कि भारत में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन मात्र तीन शताब्दियों से ही व्यापक रूप से चल रहा है। यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

Sharma K.K. ने **"Tourism and Development"** नामक पुस्तक में पारिस्थितिकी पर्यटन तथा पर्यटन के आर्थिक प्रभाव तथा वैश्वीकरण को प्रस्तुत किया है।

निर्मल राजेन्द्र कुमार ने सन् 2004 में **''बूंदी जिले में पर्यटन विकास का मूल्यांकन एक भौगोलिक अध्ययन''** पर शोध कार्य किया है इसमें बूंदी जिले के भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा वर्तमान क्षेत्रीय पर्यटन विकास की दिशा, प्रभाव एवं भविष्य का वर्णन किया है।

Samant Rohini ने सन् 2007 में **"An Appraisal of Carring capacity of Tourist Destinations in Ajmer"** पर शोध गंथ प्रस्तुत किया है इस शोध में अजमेर में पर्यटकों के आकर्षण के कारण, आधारभूत सुविधाएं, पर्यटन के वातावरण पर प्रभाव का विवेचन किया गया है।

Yadav Prashant ने सन् **"Tourism in Alwar District"** पर शोध ग्रंथ प्रस्तुत किया है इसमें अलवर में पर्यटन की आधारभूत सुविधाएं मेलों व त्यौहारों का वर्णन किया है।

शोध विधि

शोध संबंधी अध्ययन को क्रमबद्ध बनाने तथा सही तकनीक का उपयोग कर सही निष्कर्ष निकालने के लिए प्राथमिक आंकड़ों का संकलन अवलोकन, साक्षात्कार और प्रश्नावली के माध्यम से किया गया। सर्वेक्षण के दौरान विभिन्न आंकड़ों का संकलन व अध्ययन करने के लिए क्षेत्र का अवलोकन किया गया है। प्रस्तुत शोध प्रपत्र को उपयोगी बनाने हेतु पर्यटन क्षेत्र के दुकानदारों, होटल मालिकों, स्थानीय निवासियों तथा पर्यटकों से प्रश्नावली तथा साक्षात्कार द्वारा महत्वपूर्ण सूचनाएं व सुझाव प्राप्त किये गए। द्वितीयक आंकड़ों का संकलन विभिन्न निजी व सरकारी संस्थाओं, आर.टी.डी.सी. डिपार्टमेंट ऑफ

टयूरिज्म आर्ट एण्ड कल्चर से किया गया है। इसके अतिरिक्त अध्ययन को क्रमबद्ध बनाने एवं निष्कर्ष निकालने के लिए विभिन्न सांख्यिकीय विधियों (समान्तर मध्य, मध्यिका, प्रमाण विचलन, प्रसरण, सह संबंध, टी टेस्ट और कोई टेस्ट आदि) का प्रयोग किया गया है।

शोध परिणाम

परिकल्पना संख्या 1:

अजमेर शहर में स्वदेशी व विदेशी पर्यटकों की संख्या में उत्तरोतर वृद्धि हुई है।

अ. उपर्युक्त परिकल्पना का आधार स्वदेशी व विदेशी पर्यटक सम्बन्धित प्रश्न/रूझान अन्तर्गत सम्मिलित है जिसके परिणाम नीचे सांख्याकि सारणी 1 में है।

सांख्यिकी सारिणी संख्या 1

ANOV A (F) साख्यायकी सारणी संख्या 1

अजमेर पर्यटन के लिए आने वाले देशी/विदेशी पर्यटक सम्बन्धित	वर्गो का योग	स्वतंत्रता के अंश	प्रसरण आकल मध्यमान	एफ0 अनुपात	सार्थकता का स्तर
vtesj Hkze.k gsrq ekSle dk pquko	0.53	1	0.63	02.61	0.04*
पर्यटक संख्या अभिवृद्धि विश्लेषण	3.19	1	3.30	1.18	0.05*
पर्यटक आगमन ह्रास कारक विश्लेषण	51.70	1	33.75	0.120	0.03*
पंसदीदा पर्यटक स्थलों का व्यस्थितिकरण	13.09	1	11.49	0.18	0.01**
उपरोक्त सभी	0.09	1	0.09	0.403	0.05*

NS**= Non Significant, ** = Significant , ****** = Highly Significant*

उपर्युक्त वर्णित तालिका द्वारा ज्ञात किया जा सकता है कि अजमेर पर्यटन के लिए आने वाले स्वदेशी/विदेशी पर्यटक सम्बन्धित सर्वेक्षण आधारित तथ्य– अजमेर भ्रमण हेतु मौसम का चुनाव, पर्यटक संख्या अभिवृद्धि विश्लेषण, पर्यटक आगमन ह्रास कारक विश्लेषण, पंसदीदा पर्यटक स्थलों का व्यस्थितिकरण एवं अन्य के प्रति अनुकूल रूझान ज्ञापित होते है, जिससे यह स्वीकृत होता है कि अजमेर शहर में स्वदेशी व विदेशी पर्यटकों की संख्या में उत्तरोतर वृद्धि हुई है।

अजमेर शहर में स्वदेशी व विदेशी पर्यटकों की संख्या में उत्तरोतर वृद्धि हुई है।

ब. उपर्युक्त परिकल्पना का आधार पर्यटन व्यवसायियों से सम्बन्धित प्रश्न/रूझान अन्तर्गत सम्मिलित है जिसके परिणाम नीचे सांख्याकि सारणी 1 में है।

सांख्यिकी सारिणी संख्या 2

© Associated Asia Research Foundation (AARF)

ANOV A (F) साख्यायकी सारणी संख्या 2

अजमेर पर्यटन व्यवसाय से जुड़े हुए व्यवसायियों से सम्बन्धित	वर्गो का योग	स्वतंत्रता के अंश	प्रसरण आकल मध्यमान	एफ0 अनुपात	सार्थकता का स्तर
पर्यटन व्यवसाय में भागीदारी का स्वरूप	0.34	1	0.70	1.19	0.02*
पर्यटन व्यवसाय में लगी पूंजी आंकलन	13.09	1	3.30	1.18	0.01**
आर्थिक स्थिति में पर्यटन व्यवसाय	60.09	1	41.51	0.120	0.001**
पर्यटन उद्योग में भविष्य संकल्पना	2.80	1	13.19	0.18	0.004**
उपरोक्त सभी	0.09	1	0.09	0.403	0.05*

NS*= Non Significant,* *** *= Significant ,* **** *= Highly Significant*

ऊपर दर्शित सांख्यिकी सारिणी संख्या 2 पर दृष्टिपात करने ज्ञात होता है कि अजमेर पर्यटन के लिए आने वाले स्वदेशी/विदेशी पर्यटक सम्बन्धित सर्वेक्षण में पर्यटन व्यवसायियों आधारित तथ्य– पर्यटन व्यवसाय में भागीदारी का स्वरूप, पर्यटन व्यवसाय में लगी पूंजी आंकलन, आर्थिक स्थिति में पर्यटन व्यवसाय, पर्यटन उद्योग में भविष्य संकल्पना के प्रति नाममात्र प्रतिकूल रूझान है एवं अधिकांशत अनुकूल रूझान ज्ञापित होते है, जिससे यह स्वीकृत होता है कि अजमेर शहर में स्वदेशी व विदेशी पर्यटकों की संख्या में उत्तरोतर वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारक अजमेर शहर में स्थिति पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों का अपने व्यवसाय के प्रति पेशेवर एवं सामंजस्यपूर्ण व्यवहार का होना।

निष्कर्ष

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अजमेर–पुष्कर क्षेत्र में पर्यटन विकास की अपार सम्भावनाओं है, तथा इसके साथ ही यहाँ अनेक प्रकार की आर्थिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक समस्याएं भी विद्यमान है जिनका त्वरित निधान आवश्यक है। अजमेर शहर राजस्थान की राजधानी जयपुर के समीप होने के साथ ही अपनी प्राकृतिक सौन्दर्यता एवं धार्मिक स्थिति के कारण, देशी–विदेशी पर्यटकों के लिए श्रेष्ट स्थान है। साररूप में यह कहा जा सकता है कि अजमेर शहर मे यदि सरकारी एवं नीजि प्रयासों का सार्थक एवं सकारात्मक बल दिया जाए तो यहाँ विद्यमान सभी समस्याओं का निराकरण किया जा सकता है एवं राजस्थान राज्य में एक आदर्श व अनुपम पर्यटक स्थली का निर्माण किया जा सकता है, जिससे आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से न केवल अजमेर शहर वरन् राज्य एवं देश लाभान्वित एवं सुदृढ हो पाएगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- भंवर लाल गर्ग, आनंद प्रकाश भारद्वाज, राजस्थान : भौगोलिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन, शिवा पब्लिशर्स, उदयपुर, 2000, पृ.सं. 15।
- मोहन लाल गुप्ता, राजस्थान ज्ञान कोष, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, 2015, पृ.सं. 729–730।

- कर्नल जैम्स टॉड, ''राजस्थान का इतिहास'', साहित्यागार प्रकाशन, जयपुर, 2003।
- करूणा पाण्डेय, राजस्थान का सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन प्रशासनिका, ह.च. मा. राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर, पृ.सं. 152, 155।
- बी.एल. पानगड़िया, राजस्थान का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, 1996, पृ.सं. 48।
- बी.एल. पानगडिया, राजस्थान का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर, 1996, पृ.सं. 1–2।
- एल. आर. मल्ला, सामयिक राजस्थान, कुलदीप पब्लिकेशन, जयपुर, 2010, पृ.सं. 8।
- के.एस. दोरियाल, पर्यटन, विकास एवं प्रभाव, आ ा बुक्स दिल्ली, 2012, पृ.43।
- के.के. दीक्षित एवं जे.पी. गुप्ता, पर्यटन के विविध आयाम, पृ.15।
- मोहनलाल गुप्ता, राजस्थान, जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन, पृ.240।
- सिंह सविन्द्रर, 2008, ''पर्यावरण भूगोल'', प्रयोग पुस्तक भवन, इलाहाबाद
- विश्वनाथ घोष, ट्यूरिज्म एण्ड ट्रेवल मैनेजमेंट, पृ.107।
- विश्वनाथ घोष, ट्यूरिजम एण्ड ट्रेवल मैनेजमेन्ट, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि., 2000, पृ. 154।
- विनोद अग्रवाल, भारतीय पर्यटन, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, 2012, पृ. 234।

© **Associated Asia Research Foundation (AARF)**

A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.